भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 107

उत्तर देने की तारीख 28 जुलाई, 2025

सोमवार, 06 श्रावण, 1947 (शक)

कौशल विकास एवं उद्यमिता विश्वविद्धालय की स्थापना

*107. डॉ. आनन्द कुमार गोंड:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का आकांक्षी जिले बहराइच और उसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बहराइच लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक कौशल विकास एंव उद्यमिता विश्वविद्यालय स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का निकट भविष्य में ऐसी किसी कार्य योजना का विचार है जिससे उक्त जिले और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकें; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): सदन के पटल पर विवरण रख दिया गया है।

'एसडीई विश्वविद्यालय की स्थापना' के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *107 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के पास राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने की कोई विशिष्ट योजना नहीं है। तथापि, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सामान्य शिक्षा के साथ एकीकृत और समग्र रूप से व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौशल विश्वविद्यालय स्थापित कर सकते हैं, ताकि शिक्षा और कौशल के विभिन्न रूपों में प्रगति और गतिशीलता के मार्ग सुनिश्चित किए जा सकें।

भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश और कौशल विकास के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि की अपार संभावनाओं को देखते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना और उद्योग-संबंधित कौशल से सुसज्जित करना है।

उत्तर प्रदेश राज्य और उसके बहराइच जिले में एमएसडीई की योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित उम्मीदवारों और स्थापित/संलग्न प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या का विवरण इस प्रकार है:

तालिका-I: प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या:

स्कीम	उत्तर प्रदेश	बहराइच
पीएमकेवीवाई (2015-16 से 30.06.2025 तक)	25,09,438	23,829
जेएसएस स्कीम (2018-19 से 2024-25 तक)	5,66,204	12,364
एनएपीएस (2018-19 से 30.06.2025 तक)	3,03,818	533
सीटीएस(आईटीआई) (सत्र 2018 से 2025 तक)	21,61,826	6,643

तालिका-II: आज की तिथि के अनुसार प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या:

स्कीम	उत्तर प्रदेश	बहराइच
पीएमकेवीवाई केंद्र	2,588	17
जेएसएस केंद्र	47	1
एनएपीएस स्थापना	6,759	64
सीटीएस (आईटीआई)	3,258	07

*****